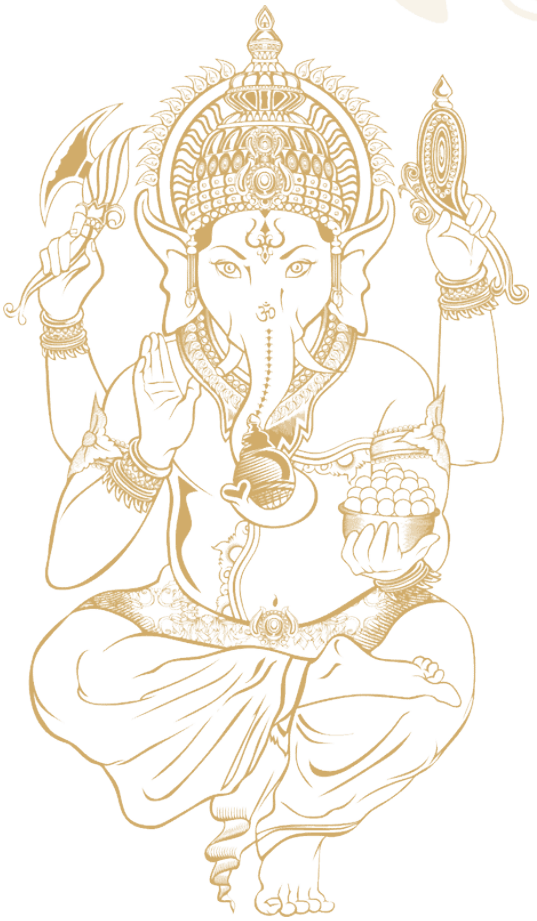

Gautam

Srishti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121597707

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
10/09/1996 :	जन्म तिथि	: 27/10/1996
मंगलवार :	दिन	: रविवार
घंटे 20:10:00 :	जन्म समय	: 20:17:00 घंटे
घटी 35:15:46 :	जन्म समय(घटी)	: 34:27:40 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Hissar
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:10:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:27:00 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:03:41 :	सूर्योदय	: 06:36:23
18:31:54 :	सूर्यास्त	: 17:45:08
23:48:42 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:46

विंशोत्तरी बुध 2वर्ष 1मा 19दि सूर्य 30/10/2025 31/10/2031		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शुक्र 4वर्ष 7मा 27दि राहु 25/06/2024 26/06/2042	
सूर्य	17/02/2026	00:14:56	मेष	लग्न	वृष	24:35:38	राहु	08/03/2027
चन्द्र	18/08/2026	24:20:41	सिंह	सूर्य	तुला	10:39:01	गुरु	01/08/2029
मंगल	24/12/2026	28:19:29	कर्क	चंद्र	मेष	23:33:36	शनि	07/06/2032
राहु	18/11/2027	06:40:30	कर्क	मंगल	सिंह	04:41:22	बुध	25/12/2034
गुरु	05/09/2028	07:32:40	कन्या व	बुध	तुला	07:08:50	केतु	13/01/2036
शनि	18/08/2029	14:05:10	धनु	गुरु	धनु	18:19:10	शुक्र	13/01/2039
बुध	25/06/2030	14:16:11	कन्या व	शुक्र	कन्या	03:55:00	सूर्य	07/12/2039
केतु	31/10/2030	14:16:11	मीन व	शनि व	मीन	07:56:58	चन्द्र	07/06/2041
शुक्र	31/10/2031	01:20:45	मक व	राहु व	कन्या	14:03:18	मंगल	26/06/2042
		06:47:28	मक व	केतु व	मीन	14:03:18		
		06:47:28	वृश्चि	हर्ष	मक	06:57:40		
				नेप	मक	01:17:12		
				प्लूटो	वृश्चि	08:05:30		

लग्न-चलित

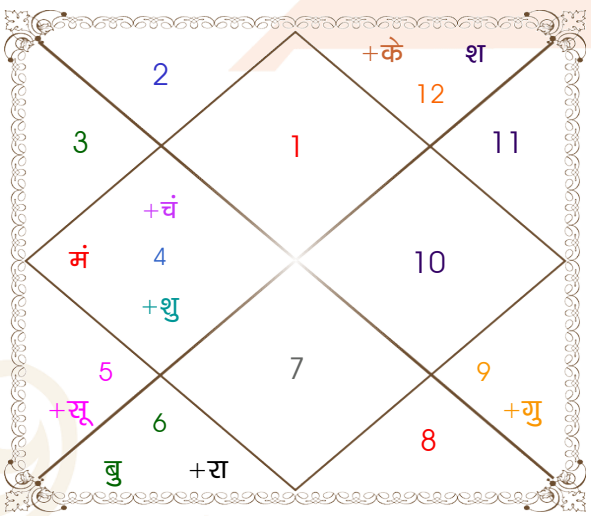

लग्न-चलित

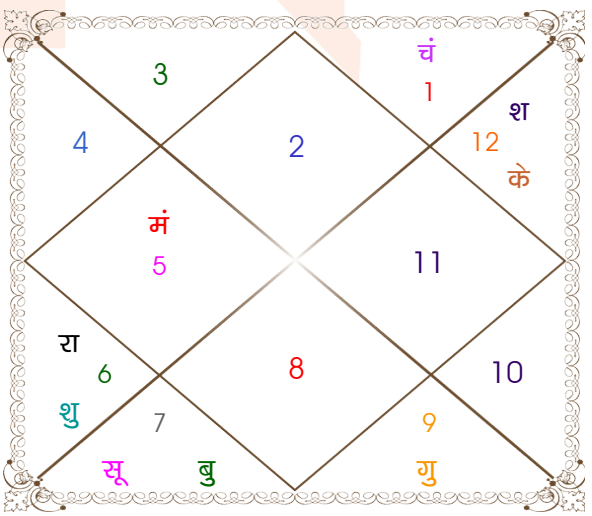

Acharya Dhairya Nath Mishra Shastri,B.Ed
Sanatan Dharam Mandir A1 Block Paschim Vihar New Delhi
234 Milanssar Apartment Paschim Vihar New Delhi
9810374751
acharyadnmishra1961@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Gautam का वर्ग श्वान है तथा Srishti का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Gautam और Srishti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Gautam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Gautam कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Gautam कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Gautam कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Srishti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Srishti कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Gautam कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Gautam तथा Srishti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Dhairya Nath Mishra Shastri,B.Ed
Sanatan Dharam Mandir A1 Block Paschim Vihar New Delhi
234 Milanssar Apartment Paschim Vihar New Delhi
9810374751
acharyadnmishra1961@gmail.com